वस्त्र मंत्रालय की ओर से अपेक्षित सूचना

कृषि लागत और मूल्य आयोग

2018–19 मौसम के लिए पटसन/मेस्ता की मूल्य नीति हेतु प्रश्नावली

1. वर्तमान मौसम सहित पिछले पांच मौसमों के लिए पटसन सलाहकार बोर्ड द्वारा मूल्यांकित पटसन और मेस्ता के उत्पादन पर आधारित कच्चे पटसन की उपलब्धता/आपूर्ति, उपभोग तथा वर्षान्त भंडारों का विस्तृत तुलन–पत्र तथा विभिन्न धारकों द्वारा रखे गए भंडार का मूल्य बताएं।

2. राष्ट्रीय अपरिष्कृत पटसन उत्पादन के वर्तमान उपजातीय/ग्रेड संघटन के बारे में अपना मूल्यांकन दें। यदि पटसन माल के उद्भव पर आधारित आदर्श माफदंड पर यह बड़े पैमाने में मेल नहीं खाता तो अपरिष्कृत पटसन की ग्रेड प्रोफाइल को समुचित रूप से बदलने के लिए अपने सुझाव दें। कच्चे पटसन की ग्रेड प्रोफाईल में सुधार के लिए उपाए बताएं।

3. अपरिष्कृत पटसन के अखिल भारत स्तर पर पिछले 10 वर्षों (वर्ष वार, महीने वार) के घरेलू थोक मूल्य (पश्चिम बंगाल की सीमा पर), अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य, प्रमुख बाजारों में पटसन माल के मूल्य तथा वर्तमान मूल्य बताएं ताकि अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य की तुलना की जा सके तथा इसके कारण एवं मूल्यों में परिवर्तन का ब्यौरा भी दें।

4. पिछले पांच वर्षों के दौरान ऐसे अवसरों का (माह–वार एवं बाजार–वार) उल्लेख करें जब पटसन के मूल्य न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे गिरे।

5. पिछले पांच वर्षों के दौरान पटसन माल (हेसियन, बोरे, सी.बी.सी. तथा अन्य) के उत्पादन का उल्लेख करें। क्या इन वस्तुओं की उत्पादन प्रवृत्ति में कोई महत्वपूर्ण बदलाव देखा गया है? यदि हो, तो उसका कारण बताएं (कृपया नीचे दी गई सारणी में विवरण उपलब्ध कराएं)।

(उत्पादन क्विंटल में)

पटसन वस्तुएं	2013–14	2014–15	2015–16	2016–17	2015–16	2017–18 (संभावित) वर्षों के दौरान प्रवृत्ति
हेसियन						
बोरे						
कारपेट का सहायक कपड़ा (सीबीसी)						
अन्य						

6. सरकारी एजेंसियों की पिछले तीन मौसमों के दौरान बी–टवील/अन्य प्रकार के पटसन थैलों की मांग तथा इसका महीने–वार आवंटन एवं उन्नयन दर्शाएं। वर्तमान मौसम (2017–18) के लिए पूर्वानुमानित मांग भी बताएं।

7. पिछले पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष (अब तक) पटसन एवं पटसन माल की घरेलू एवं अन्तर्राष्ट्रीय मांग व आपूर्ति का मूल्यांकन करें। प्रतिस्पर्धात्मकता पर आपका मूल्याकन भारतीय पटसन माल के साथ–साथ बंगलादेश पर हो। इस सन्दर्भ में पिछले 5 वर्षों के दौरान इन दो देशों में प्रचलित दरों, लेवी/कर (उत्पाद/सीमा शुल्क, क्रय कर इत्यादि) पर तुलनात्मक आंकड़े प्रस्तुत करें। पटसन तथा पटसन वस्तुओं की अन्तर्राष्ट्रीय मांग व आपूर्ति में ग्रेड प्रोफाइल का मूल्यांकन करें।

8. यदि आवश्यक पैकेजिंग को 100 प्रतिशत से 90 प्रतिशत, 70 प्रतिशत, 50 प्रतिशत घटा दिया जाए तो उद्योग इसे कैसे समायोजित करेंगे?

9. भारतीय पटसन पैकेजिंग सामग्री के साथ–साथ सिंथेटिक फाईबर पर बनी सामग्री की प्रतिस्पर्धात्मकता का मूल्यांकन करें। वर्तमान वर्षों में उनकी तुलनात्मक लागत एवं मूल्य भी दर्शाएं।

10. 5 सबसे बड़े आयातकों तथा निर्यातकों को दर्शाते हुए पिछले 5 वर्षों के लिए अपरिस्कृत पटसन के कुल वैश्विक व्यापार **(निर्यात तथा आयात)** को दर्शाएं।

11. हाल के पांच वर्षों की अन्य देशों सहित भारत की अपरिष्कृत पटसन की **व्यापार नीति** को दर्शाएं।

12. पिछले पांच वर्षों के दौरान पटसन वस्तुओं के निर्यात के अनुदेशों सहित पटसन निर्माता (मदवार, मात्रा और मूल्य) का निर्यात निष्पादन दर्शाएं।

13. पिछले दस वर्षों के दौरान विविधिकृत पटसन उत्पादों (डीजेपी) की मात्रा और मूल्य आधार पर इनके उत्पादन और निर्यात पर मदवार विवरण प्रस्तुत करें तथा इसका आयात, यदि कोई हो, भी बताएं।

14. पिछले पांच वर्षों के दौरान बांग्लादेश में अपरिष्कृत पटसन की स्थिति (अर्थात इसका उत्पादन, मूल्य तथा उपयोग) बताएं तथा भारतीय अपरिष्कृत पटसन/पटसन वस्तु अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव को भी दर्शाएं।

15. 2016–17 तथा पिछले पांच वर्षों के दौरान बंगलादेश से अपरिष्कृत पटसन तथा पटसन निर्माण का आयात (मात्रा और मूल्य) दर्शाएं।

16. 2018–19 मौसम के लिए पटसन और मेस्ता के न्यूनतम समर्थन मूल्य के स्तर पर आपके विचार क्या है?

17. पटसन पर प्रौद्योगिकी मिशन के संबंध में विस्तृत कार्य योजना तथा इसके कार्यान्वयन को प्रस्तुत करें। मिशन के अन्तर्गत उपलब्धि की राज्यवार स्थिति दर्शाई जाए। जेटीएम के उद्देश्य को पूरा करने के लिए ये निष्पादन कहां तक सही हैं?

18. (i) क्या राष्ट्रीय पटसन नीति (2005) पर कोई कार्य योजना तैयार की गई है? यदि, हां तो इसकी उपलब्धि/कमी के साथ–साथ इसके कार्यान्वयन का राज्य–वार ब्यौरा दें तथा इसके उपचारी कदमों का उल्लेख करें।

(ii) पटसन के वायदा व्यापार पर अपने विचार प्रकट करें।

19. पटसन उद्योग में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफ.डी.आई.) पर अपनी टिप्पणी दें।

20. क्रय केन्द्रों/मंडी/विपणन अहातों इत्यादि में पटसन/मेस्ता की बिक्री के लिए किसानों द्वारा प्रदत्त राज्यवार और अखिल भारत औसत विपणन प्रभार बताएं।

21. (i) फसल बीमा योजना पर पटसन/मेस्ता उत्पादकों द्वारा वहन किया जा रहा प्रति हेक्टेयर तथा क्विंटल के आधार पर राज्यवार तथा अखिल भारत औसत व्यय दर्शाएं।

(ii) फसल बीमा योजना के अंतर्गत शामिल पटसन/मेस्ता उत्पादकों का राज्यवार तथा अखिल भारत स्तर प्रतिशत क्या है? क्या प्राकृतिक आपदा/कीट हमलों इत्यादि के कारण उत्पन्न हुए फसल एवं आय नुकसान के प्रति फसल के बीमा में किसान किसी प्रकार की कठिनाई महसूस कर रहें हैं? (कृपया नीचे दी गई सारणी में ब्यौरा प्रदान करें)

राज्य	पटसन उत्पादकों की संख्या	बीमाकृत उत्पादकों का प्रतिशत
आंध्र प्रदेश		
असम		
बिहार		
ओडिशा		
त्रिपुरा		
पश्चिम बंगाल		

(iii) राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना तथा इसके संशोधित विवरण को पटसन/मेस्ता उगाने वाले किसानों के लिए और अधिक बेहतर बनाने के लिए अपनी टिप्पणी/सुझाव दें। पटसन/मेस्ता के संबंध में राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना के कार्यान्वयन पर टिप्पणी भी दें।

22. अपने उत्पाद को क्रय केन्द्र/मंडी/विपणन अहातों में विक्रय के लिए लाने के लिए किसानों द्वारा प्रदत्त प्रति क्विंटल राज्य वार तथा अखिल भारत औसत परिवहन लागत क्या है?

23. एनआईआरजेएएफटी तथा अन्य विभिन्न अनुसंधान संस्थाओं द्वारा विकसित **अद्यतन रेटिंग प्रविधि** का ब्यौरा दें तथा राज्य तथा केन्द्र सरकार द्वारा ऐसे संस्थानों को दी गई तकनीकी तथा वित्तीय सहायता पर अपनी टिप्पणी प्रस्तुत करें। उन्नत रेटिंग तकनीक को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों का विवरण दें।

टिप्पणीः यदि आप विस्तृत एवं भारी उत्तर देने में कठिनाई महसूस करते हैं तो अनुलग्नक के रूप में तैयार सामाग्री भेज सकते हैं।

****

भारतीय पटसन मिल संघ की ओर से अपेक्षित सूचना

कृषि लागत और मूल्य आयोग

2018–19 मौसम के लिए पटसन/मेस्ता की मूल्य नीति हेतु प्रश्नावली।

1. कृपया उद्योग अनुमानों के आधार पर एक तुलन–पत्र पस्तुत करें जिसमे 2017–18 सहित पिछले पांच वर्षों के दौरान स्टॉक उत्पादन, उपलब्धता, खपत और अन्य लुप्त मात्रा दर्शाए। यदि सभंव हो, तो वर्षात स्टॉक के मालिकाना ब्यौरे भी प्रस्तुत करें।

2. राष्ट्रीय अपरिष्कृत पटसन के उत्पादन के वर्तमान उपजातीय/ग्रेड संयोजन के बारे में अपना मूल्यांकन प्रस्तुत करें। यदि पटसन माल के लिए आविर्भावित मांग के आधार पर आपकी राय में आदर्श स्तर से बड़ा अंतर है, तो कृपया अपरिष्कृत पटसन के ग्रेड प्रोफाइल में सही रूप में परिवर्तन करने के उपाय बताएं।

3. पिछले 10 वर्षों (वर्ष–वार व महीने–वार) तथा चालू वर्ष के अपरिष्कृत पटसन के घरेलू थोक मूल्य (पश्चिम बंगाल की सीमा पर) तथा अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य, प्रमुख बाजारों में पटसन माल के मूल्य जिसमें अखिल भारतीय स्तर के मूल्य भी शामिल हों ताकि अन्तर्राष्ट्रीय मूल्यों से तुलना की जा सके। इसके साथ–साथ मूल्यों में बदलाव के कारण भी दर्शाएं।

4. पिछले पांच वर्षों के दौरान पटसन माल (हेसियन, टाट, सी.बी.सी. और अन्य) का उत्पादन तथा इन वस्तुओं में प्रत्येक में प्रयुक्त कच्चा पटसन।

5. कुल मांग और प्रत्येक श्रेणी में सदृश कच्चे पटसन के प्रयोग सहित पटसन माल की विभिन्न श्रेणियों की **मांग और मांग का स्वरूप** बताएं। पिछले पांच वर्षों में सरकारी आदेशों सहित ऐसी मांग के मुख्य स्रोत भी बताएं।

6. पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष के लिए कुल तथा वास्तविक मासिक आपूर्ति के साथ डीजीएस एंड डी के लिए थैलों और अन्य पटसन माल की आपूर्ति प्रबधों के ब्यौरे। चालू वर्ष (2017–18) के दौरान थैलों तथा अन्य सामान के लिए पूर्वानुमानित मांग।

7. हाल के वर्षों में पटसन पैकेजिंग अधिनियम, 1987 (पैकिंग पदार्थों में अनिवार्य प्रयोग) में किए गए परिवर्तनों/संशोधनों का ब्यौरा दें तथा पटसन माल/कच्चे पटसन की मांग पर उनके प्रभाव बताएं। जे.पी.एम.ए. में और बदलाव/संशोधन करने के लिए कारण सहित अपने सुझाव दें।

8. यदि आवश्यक पैकेजिंग को 100 प्रतिशत से 90 प्रतिशत, 70 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक कम कर दिया जाए तो उद्योग इसे कैसे समायोजित करेंगे।

9. हाल के वर्षों में भारतीय पटसन उत्पादों के निर्यात का अर्थशास्त्र। बांग्लादेश और सिंथेटिक विकल्पों की तुलना में भारतीय पटसन माल की प्रतिस्पर्द्धात्मकता का अपना मूल्यांकन। इस संदर्भ में, नवीनतम पांच वर्षो के लागत एवं मूल्यों पर तुलनात्मक आंकड़े भी उपलब्ध कराएं।

10. वर्तमान वर्ष सहित पिछले पांच वर्षों के लिए 5 सबसे बड़े आयातकों एवं निर्यातकों को दर्शाते हुए अपरिष्कृत पटसन के **कुल वैश्विक व्यापार** (निर्यात तथा आयात) को प्रस्तुत करें।

11. हाल ही में उपलब्ध पांच वर्षों के लिए भारत के साथ–साथ अन्य देशों के अपरिष्कृत पटसन की **व्यापार नीति** को दर्शाएं।

12. बांग्लादेश से कच्चे पटसन और पटसन विनिर्माणों का आयात। पिछले पांच वर्षों का ब्यौरा (ग्रेड और उत्पाद का परिमाण और मूल्य) दें । घरेलू पटसन उद्योग पर ऐसे आयात के प्रभाव पर टिप्पणी दें।

13. पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रमुख निर्यात बाजारों में विभिन्न पटसन उत्पादों के संदर्भ मूल्य और घरेलू पटसन उत्पादों के उत्पादन, इसके मूल्यों और निर्यात निष्पादन पर इसके प्रभाव।

14 (i)कच्चे पटसन और पटसन माल पर केन्द्रीय/राज्य लेविज/करों की प्रचलित दरों, तथा

(ii) कच्चे पटसन और पटसन उत्पादों के आयात शुल्क पर अपनी टिप्पणी दें।

15. कृपया पटसन में वायदा व्यापार के संबंध में अपने विचार व्यक्त करें।

16. कृपया पटसन उद्योग में सीधे विदेशी निवेश पर अपने विचार व्यक्त करें।

17. (i) पटसन उद्योग की स्थिति पर आलेख दें या इस विषय पर साहित्य/ग्रंथ विज्ञान उद्धृत/आपूर्ति करें।

(ii) कृपया पटसन उद्योग के उत्पाद विविधीकरण, आधुनिकीकरण तथा पुनरूद्धार पर अद्यतन टिप्पणी दें।

(iii) क्या राष्ट्रीय पटसन नीति (2005) पर कोई कार्य योजना तैयार की गई है ? यदि हां, तो इसके कार्यान्वयन के राज्य–वार ब्यौरे दें।

18. 2016–17 और 2017–18 में पटसन थैलों, टाट और पटसन वस्त्रों की उत्पादन लागत पर विस्तृत घटक–वार ब्यौरा अर्थात् कच्चे पटसन की लागत, श्रम, अन्य परिवर्तन लागत, ब्याज, मूल्य ह्रास इत्यादि प्रदान करें। (कृपया विस्तृत विवरण निम्न सारणी में प्रस्तुत करें)

घटक	2016–17	2017–18
अप्रस्कृत पटसन की लागत		
मजदूरी लागत		
अन्य लागत		
ब्याज		
मूल्यह्रास		
अन्य/विविध		

19. कृपया पटसन पर प्रौद्योगिकी मिशन के बारे में विस्तृत कार्य योजना और इसके कार्यान्वयन के बारे में ब्यौरा दें। मिशन के अंतर्गत उपलब्धियों की राज्यवार स्थिति बताएं। इन उपलब्धियों ने पटसन प्रौद्योगिकी मिशन के उद्देश्यों को किस हद तक पूरा किया है।

20. कृपया खरीद केन्द्र/मण्डी/विपणन अहातों इत्यादि पर पटसन/मेस्ता के विक्रय हेतु किसानों द्वारा अदा किए गए राज्य–वार और अखिल भारतीय स्तर पर प्रति क्विंटल औसत विपणन प्रभार बताएं।

21. (i) पटसन उत्पादकों द्वारा फसल बीमा योजना पर प्रति हेक्टेयर और प्रति क्विंटल वहन किए गए बीमा प्रीमियम के राज्य–वार और अखिल भारतीय स्तर पर औसत खर्चे बताएं।

(ii) फसल बीमा योजना के अन्तर्गत शामिल किए गए पटसन/मेस्ता उत्पादकों की राज्य–वार और अखिल भारतीय स्तर प्रतिशतता बताएं। क्या प्राकृतिक आपदा/कीट हमलों इत्यादि के कारण हुए फसल और आय में नुकसान के विरूद्ध फसल के बीमा कराने में किसानों को किसी समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

(iii) कृपया पटसन/मेस्ता उत्पादाकों के लिए और अधिक किसान हितैषी बनाने हेतु वर्तमान राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना (एन ए आई एस) को सुधारने के लिए अपनी टिप्पणियां/सुझाव दें। पटसन/मेस्ता के संबंध में राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना के कार्यान्वयन पर टिप्पणियां भी प्रस्तुत करें।

22. खरीद केन्द्र/मण्डी/विपणन अहातों इत्यादि पर विक्रय हेतु लाए गए उनके उत्पाद के लिए किसानों द्वारा अदा की जा रही राज्य–वार और अखिल भारतीय स्तर पर प्रति क्विंटल औसत परिवहन लागत बताएं।

23. पटसन अर्थव्यवस्था से संबंधित कोई अन्य विषय, जिसे संघ आयोग के ध्यान में लाना चाहेगा।

24. एनआईआरजेएएफटी जैसे विभिन्न अनुसंधान संस्थानों तथा अन्यों द्वारा विकसित नवीनतम रेटिंग तकनीक पर ब्यौरा प्रस्तुत करें तथा राज्य तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसे संस्थानों को दी जा रही

तकनीकी तथा वित्तीय सहायता को भी दर्शाएं इसके अतिरिक्त इसकी पर्याप्तता तथा **नवीनतम रेटिंग तकनीक** को उन्नत करने के लिए उठाए गए कदमों को उल्लेख करें।

नोट :– यदि आपको विस्तृत उत्तर देने में कठिनाई महसूस हो तो आप पहले से उपलब्ध सामग्री अनुलग्नकों के रूप में उपलब्ध करा सकते हैं।

****

भाग– I: मूल्य समर्थन, सरकारी खरीद और सार्वजनिक वितरण

1. (i) क्या वर्तमान मौसम के दौरान पटसन के लिए मूल्य समर्थन प्रदान करने में जे.सी.आई. के हस्तक्षेप बिल्कुल पर्याप्त हैं।

   (ii) जे.सी.आई. के प्रयासों को पूरा करने के लिए पंचायतों तथा अन्य गांव स्तर संस्थानों, सोसाइटी की सक्रिय भागीदारी हेतु राज्य सरकार ने क्या कदम उठाएं हैं।

   (iii) भीतरी क्षेत्रों में जे.सी.आई. के प्रयासों के समर्थन में प्रयास यदि कोई हो, का उल्लेख करें।

2. (i) पिछले तीन मौसमों तथा चालू वर्ष के दौरान विभिन्न अभिकरणों के मूल्य समर्थन प्रचालन

   (ii) किसानों द्वारा बेहतर निष्कर्षण को सुनिश्चित करने के लिए पटसन पैदा करने वाले क्षेत्रों में उत्पादक सहकारी समितियों के उत्प्रेरण सहित विपणन अवसंरचना को उन्नत करने के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदम।

   (iii) भीतरी क्षेत्रों में विपणन अवसंरचना उन्नत करने के लिए राज्य द्वारा उठाए गए कदम।

3. (i) पिछले पांच वर्षों के दौरान अपरिष्कृत पटसन और पटसन वस्तुओं पर केन्द्रीय/राज्य लेवी/ करों की विद्यमान दरें। (ii) अपरिष्कृत पटसन एवं पटसन उत्पाद के आयात शुल्क पर अपने विचार व्यक्त करें।

4. हाल के वर्षों में पटसन पैकेजिंग सामग्री (पैकेजिंग वस्तुओं में आवश्यक प्रयोग) अधिनियम, 1987 में किए गए परिवर्तन/संशोधन तथा पटसन वस्तुओं/अपरिष्कृत पटसन की मांग पर इसके प्रभाव पर अपने विचार व्यक्त करें।

5. यदि आवश्यक पैकेजिंग को 100 प्रतिशत से 90 प्रतिशत, 70 प्रतिशत, 50 प्रतिशत तक कम कर दिया जाए तो उद्योग इसे कैसे समायोजित करेंगे।

6. (i) 2018–19 मौसम के लिए अपरिष्कृत पटसन/मेस्ता के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य के स्तर पर राज्य सरकार के विचार

(ii) न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा के आधार पर टीडी–5 (असम की सीमा पर) के बारे में विचार

(iii) अपरिष्कृत पटसन के न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करने के उद्देश्य के लिए क्या राज्य सरकार इसके विभिन्न ग्रेडों तथा उनके विनिर्देशनों में कोई बदलाव चाहती है। यदि हां, तो इसके समर्थन में कारण बताएं।

(iv) क्या राज्य पटसन/मेस्ता की विभिन्न अवस्थिति विनिर्दिष्ट ग्रेड में मूल्यों में कोई बदलाव चाहते हैं।

(v) पटसन के वायदा बाजार के संबंध में राज्य सरकार के विचार

7. क्या अपरिष्कृत पटसन के घरेलू थोक मूल्य (पश्चिम बंगाल की सीमा पर) तथा अंतर्राष्ट्रीय मूल्य, विभिन्न बाजारों में पटसन वस्तुओं के मूल्य जिसमें पिछले 10 वर्षों (वर्ष–वार, महीने–वार) अखिल भारतीय स्तर भी शामिल हो तथा चालू वर्ष में अंतरार्ष्ट्रीय मूल्य की तुलना तथा मूल्यों में बदलाव के कारण सहित वर्णन करें।

8. (i) कृपया मूल्य संचलन के विस्तृत मूल्यांकन सहित पिछले तीन मौसमों में पटसन और मेस्ता के महत्वपूर्ण प्राथमिक के साथ–साथ द्वितीयक बाजारों में माह की समाप्ति के साथ साथ वार्षिक औसत थोक मूल्य (सफेद एवं तोसा किस्मों के लिए ग्रेड–वार) दर्शाएं।

(ii) क्या पिछले तीन मौसमों के दौरान किसी अवसर पर मेस्ता के मूल्य न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे गिरे हैं। यदि हां तो अवस्थिति/मूल्य विवरण, इसके कारण एवं जे.सी.आई./राज्य अभिकरणों द्वारा उठाए गए यथोचित कदमों का वर्णन करें।

9. पटसन के टी.डी–5 श्रेणी में उत्तरी बंगाल एवं दक्षिणी बंगाल के बीच बाजार मूल्य अंतर में कौन सा कारक महत्वपूर्ण है।

10. उत्तरी बंगाल/असम/बिहार से कोलकाता तक पटसन के परिवहन पर भाड़ा प्रभार दर्शाएं। क्या किसानों द्वारा दक्षिणी बंगाल से दूर पटसन उगाने में भाड़ा लागत अलाभकारी है। कृपया विस्तार से बताएं।

11. क्या आपके राज्य में राष्ट्रीय पटसन नीति (2005) तैयार करने में कोई कार्ययोजना तैयार की गई है। यदि हां, तो उसकी उपलब्धि/कमी तथा की गई उपचारी कार्रवाई सहित इसके कार्यान्वयन का ब्यौरा दें।

12. पटसन उद्योग में विदेशी–सीधे निवेश पर अपने विचार व्यक्त करें।

भाग– II: उत्पादकता

13. कृपया निम्नलिखित सूचना प्रदान करें :

(i) 2012–13 से 2016–17 मौसम के लिए पटसन/मेस्ता फसल का आपके राज्य में क्षेत्र, उत्पादन और उपज तथा 2017–18 मौसम के लिए उत्पादन लक्ष्य दर्शाएं। (कृपया नीचे दी गई सारणी में विवरण प्रदान किया जाए)

वर्ष	क्षेत्र	उपज	उत्पादन	2017–18 में उत्पादन लक्ष्य
2013–14				
2014–15				
2015–16				
2016–17				
2017–18				
2018–19 (संभावित)				

(ii) पिछले तीन वर्षों के दौरान क्षेत्र, उत्पादन, उपज पर जिले वार सूचना (अनुलग्नक– I)

(iii) 2013–14 से 2017–18 के दौरान पटसन की संपुटीय और ओलीटोरियस सहित महत्वपूर्ण किस्मों के अन्तर्गत क्षेत्र अनुपात एवं उपज का ब्यौरा/अपरिष्कृत पटसन का आदर्श उपजातीय संघटन क्या होना चाहिए और क्यों?

(iv) उच्च पैदावार किस्मों/संकर किस्मों के अन्तर्गत प्रतिशत तथा इसकी उपज की गैर–एचवाईवी/स्थानीय बीजों के साथ तुलना। (कृपया नीचे दी गई सारणी के आधार पर विवरण उपलब्ध कराया जाए)

बीज	क्षेत्र		उपज	
	कुल	प्रतिशत हिस्सा	कुल	प्रतिशत हिस्सा
एचवाईवी				
गैर–एचवाईवी				

(iv) आपके राज्य की प्रतिस्पर्द्धात्मक फसलें, जिसकी खेती पटसन से वर्गीकृत की जा सकें, क्या है? इस संबंध में आपकी टिप्पणी और सुझाव क्या हैं।

(v) पिछले 5 वर्षों के दौरान पटसन/मेस्ता के कुल उत्पादन में प्रतिशत हिस्से के साथ ग्रेड–वार उत्पादन, क्या है। ग्रेड वार अधिशेष/कम आपूर्ति स्थिति विनिर्दिष्ट करें तथा अपेक्षित मांग स्तर तक इसे सही करने के संबंध में सुझाव आदि का वर्णन करें। कृपया निम्नलिखित सारणी में विवरण दें।

वर्ष	ग्रेड 1		ग्रेड 2..		ग्रेड 8	
	उत्पादन	प्रतिशत हिस्सा	उत्पादन	प्रतिशत हिस्सा	उत्पादन	प्रतिशत हिस्सा
2013–14						
2014–15						
2015–16						
2016–17						
2017–18						

<u>सिंचाई</u>

14. (i) राज्य में पटसन फसल की सिंचाई के विभिन्न स्रोत तथा पिछले तीन वर्षों के दौरान कुल सींचित क्षेत्र मे इनका हिस्सा

(ii) इस फसल के लिए सिंचाई की कितनी संख्या सामान्यतः अपेक्षित है।

(iii) पटसन के लिए प्रति हेक्टेयर सिंचाई की मदवार/स्रोतवार लागत

(iv) पिछले पांच वर्षों के लिए जल उपयोग दक्षता सुधार

<u>बीज</u>

15. (i) पिछले तीन मौसमों में विभिन्न आदानों अर्थात प्रमाणित/स्थानीय बीज, उर्वरक, कीटनाशक आदि की अपेक्षित मात्रा और उनकी वास्तविक उपलब्धता तथा आगामी मौसम में लक्ष्य

(ii) पिछले तीन वर्षों में आपके राज्य में पटसन/मेस्ता के लिए बीज प्रतिस्थानापन्न दर और उपजातीय प्रतिस्थानापन्न दर क्या है। क्या एस.आर.आर. में कोई सुधार आया है, यदि नहीं तो क्यों?

(iii) पिछले तीन मौसमों के दौरान इस्तेमाल महत्वपूर्ण कीटनाशकों/कृमीनाशकों के मूल्य (रूपए प्रति किलोग्राम) तथा आगामी मौसम में संभावित मूल्य

(iv) पिछले दो मौसमों के दौरान प्रमाणित तथा स्थानीय बीजों के मूल्य तथा आगामी मौसम में संभावित दरें। क्या गुण्वत्ता वाले बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है यदि नहीं तो मांग को पूरा करने की क्या योजना है।

<u>उपज के चालक</u>

16. (क) क्या आपके राज्य में रेटिंग की सुविधा उपलब्ध है? रेशे की गुणवत्ता में सुधार के लिए सुझाव दें। (ख) क्या हाल ही में कोई नई रेटिंग की तकनीक शुरू की गई है? यदि हां तो उसका विवरण दें। नवीनतम रेटिंग की तकनीक को उन्नत करने के लिए उठाए गए कदमों का वर्णन करें।

17. एनआईआरजेएएफटी तथा अन्य विभिन्न अनुसंधान संस्थानों द्वारा विकसित नवीनतम रेटिंग वाली तकनीक का विवरण दें तथा राज्य और केन्द्र सरकार द्वारा ऐसे संस्थानों को दी गई वित्तीय सहायता को भी वर्णन करें।

विस्तार

18. आपके राज्य में अपरिष्कृत पटसन की उपज और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कार्यान्वित किए जा रहे विभिन्न अनुसंधान तथा विस्तार कार्यक्रमों का ब्यौरा दें तथा अब तक उनके क्या प्रभाव पड़े हैं। इस संबंध में पटसन विकास कार्यक्रम को कार्य योजना के अधीन लाने पर तथा इससे पहले कार्यचलन पर अद्यतन ब्यौरा दें।

भाग–III: खेती की लागत, तथा आदान मूल्य

19. (i) कृषि श्रमिक (रू./श्रम दिवस) की प्रभावी तारीख सहित प्रचालन वार सांविधिक न्यूनततम मजदूरी का ब्यौराः–

वर्ष

प्रचालन	2014–15	2015–16	2016–17	2017–18(संभावित)
जुताई				
बुआई				
नराई				
कटाई				
रेटिंग				
अन्य				

(ii) पटसन की राज्य के विभिन्न भागों में कृषि श्रम की प्रचालन वार वास्तविक मजदूरी दरों (रू./श्रम दिवस) का ब्यौरा

क्षेत्र	प्रचालन	2014–15	2015–16	2016–17	2017–18(संभावित)
	जुताई				
	बुआई				
	नराई				
	कटाई				
	रेटिंग				
	अन्य				

20. पिछले तीन मौसमों के लिए विभिन्न इस्तेमाल आदानों के आधार पर प्रति हेक्टे. खेती की लागत, यदि कोई हो तथा प्रति क्विंटल उत्पादन लागत तथा आगामी मौसम के लिए प्रति हेक्टेयर/प्रति क्विंटल लागत

21. क्रय केन्द्र/मंडी/विपणन अहातों इत्यादि में पटसन के विक्रय पर **किसानों द्वारा प्रति क्विंटल प्रदत्त विपणन प्रभार की सूचना** उपलब्ध कराएं

22. (क) आपके राज्य में संचलित की जा रही फसल बीमा योजना पर **पटसन/मेस्ता उगाने वालों द्वारा प्रति क्विंटल और प्रति हेक्टेयर प्रीमियम पर व्यय** दर्शाएं।

(ख) क्या ऋणी किसानों के लिए फसल बीमा अनिवार्य है ? क्या गैर–ऋणी किसान भी योजना के अंतर्गत शामिल हैं ?

(ग) क्या फसल बीमा योजना को उन किसानों तक बढ़ाया गया है जो स्वामित्व–कृषक नहीं हैं परन्तु खेती प्रयोजन हेतु भूमि पट्टे पर लेते हैं ?

(घ) क्या किसान प्राकृतिक विपत्तियों/नाशककीट हमलों इत्यादि से उत्पन्न होने वाले दोनों फसल और आय नुकसान के विपरीत अपनी फसलों का बीमा कराने में समस्याओं का सामना करते हैं।

(ड) क्या बीमा कवरेज किसान विनिदिष्ट है, यदि नहीं तो विद्यमान बीमा योजना के अंतर्गत किसानों के उत्पादन नुकसान की भरपाई के लिए क्या प्रक्रिया अपनाई गई है।

(च) क्या बीमा योजना किसानों की समस्त श्रेणियों के लिए है या किसी विशेष वर्ग के लिए, ब्योरा प्रदान करें।

(छ) राज्यों में पटसन/मेस्ता किसानों के बीच में फसल बीमा के फैलाव का स्तर क्या है।

(ज) फसल बीमा योजना के कार्यान्वयन में, मुद्दे यदि कोई हैं, का वर्णन करें।

(झ) राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना तथा इसके हाल के संशोधित रूपांतर को पटसन/मेस्ता उगाने वाले किसानों के हितेषी बनाने में सुधार करने के लिए अपनी टिप्पणी/सुझाव दें। पटसन/मेस्ता के संबंध में राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना के कार्यान्वयन पर भी टिप्पणी दें।

23. (क) पटसन/मेस्ता को क्रय केन्द्र/मंडी/विपणन अहातों इत्यादि तक ले जाने के लिए परिवहन के साधन क्या हैं। इन तरीकों के माध्यम से विभिन्न तरीके द्वारा प्रति क्विंटल परिवहन की लागत के पटसन/मेस्ता के संगत अनुपात तथा नजदीक मंडी/विपणन यार्ड/क्रय केन्द्र तथा किसानों के बीच आदर्श औसत क्या है।

(ख) अपने उत्पाद को नजदीक अधिप्राप्ति केन्द्र/विपणन यार्ड/मंडी इत्यादि में विपणन के लिए किसानों द्वारा व्यय की जाने वाली प्रति क्विंटल/प्रति किलोमीटर परिवहन की औसत लागत बताएं।

24. क्या ऐसी कोई फसल है जिन्हें किसान पटसन के स्थान पर उगाना चाहेंगे ? यदि हां, तो आपके राज्य में पटसन के लिए प्रतिस्थापन्न फसल कौन सी है ?

25. पटसन अर्थव्यवस्था से संबंधित कोई मामला जो आपका राज्य, आयोग के ध्यान में लाना चाहे।

*****

अनुलग्नक–1

जिलेवार क्षेत्र, उत्पादन तथा उपज (उत्पादकता) का विवरण

फसल का नामः पटसन

राज्य का नामः ....

क. सं.	जिले का नाम	2001–01			2005–06			2011–11		
		क्षेत्र (हेक.)	उत्पादन (प्रत्येक 180 कि. ग्रा. की '000 गांठे)	उपज (कि. ग्रा/हेक.)	क्षेत्र (हेक.)	उत्पादन (प्रत्येक 180 कि. ग्रा. की '000 गांठे)	उपज (कि. ग्रा/हेक.)	क्षेत्र (हेक.)	उत्पादन (प्रत्येक 180 कि. ग्रा. की '000 गांठे)	उपज (कि. ग्रा/हेक.)
	कुल									

क. सं.	जिले का नाम	2012–13			2013–14			2014–15		
		क्षेत्र (हेक.)	उत्पादन (प्रत्येक 180 कि. ग्रा. की '000 गांठे)	उपज (कि. ग्रा/हेक.)	क्षेत्र (हेक.)	उत्पादन (प्रत्येक 180 कि. ग्रा. की '000 गांठे)	उपज (कि. ग्रा/हेक.)	क्षेत्र (हेक.)	उत्पादन (प्रत्येक 180 कि. ग्रा. की '000 गांठे)	उपज (कि. ग्रा/हेक.)
	कुल									

यदि विनिदिष्ट वर्षों के लिए सूचना उपलब्ध नहीं है तो तीन वर्षों की नवीनतम उपलब्ध सूचना दे दी जाए।

भारतीय पटसन निगम की ओर से अपेक्षित सूचना

कृषि लागत और मूल्य आयोग

2018–19 मौसम के लिए पटसन/मेस्ता की मूल्य नीति के लिए प्रश्नावली

1. 2017–18 सहित पिछले पांच वर्षों के दौरान पटसन और मेस्ता के उत्पादन का पिछला स्टॉक (जे.सी. आई., मिल्स, व्यापारी इत्यादी द्वारा) भंडार की सभी मदें, उपलब्धता/आपूर्ति, खपत तथा इसके अन्य लोप दर्शाने वाला तुलनपत्र प्रस्तुत किया जाए।

2. देश में अपरिष्कृत पटसन के वर्तमान उपजातीय/ग्रेड संघटन के बारे में अपना मूल्यांकन दें। यदि पटसन वस्तुओं की उभरती मांग पर आपके द्वारा निर्धारित आदर्श मापदंड में बड़ा अंतर आता है तो अपरिष्कृत पटसन की ग्रेड प्रोफाईल को बदलने के लिए उचित कदमों का सुझाव अपने उचित कारण सहित दें।

3. अपरिष्कृत पटसन के घरेलू थोक मूल्य (पश्चिम बंगाल की सीमा पर) तथा अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य के साथ–साथ प्रमुख बाजारों में पटसन वस्तुओं के मूल्य के आंकड़े प्रस्तुत करें। अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य की तुलना करते हुए अखिल भारतीय स्तर पर पिछले 10 वर्षों (वर्षवार, महीने–वार) आंकड़े दर्शाएं तथा मूल्यों में परिवर्तन के लिए कारण बताएं। ग्रेड वार मूल्यों के आंकड़े भी प्रस्तुत करें।

4. 2017–18 सहित पिछले पांच वर्षों के दौरान वार्षिक औसत और महीने–वार पिछला स्टॉक, क्रय (समर्थन/वाणिज्यिक) तथा निगम द्वारा निष्कर्षण यूनिट मूल्य के संबंध में अपरिष्कृत पटसन स्थिति।

5. (क) पिछले पांच मौसमों के दौरान जे.सी.आई., सहकारी समितियों तथा अन्य राज्य अभिकरणों द्वारा गुणवत्ता तथा मूल्य के अर्थों में पटसन की खरीद।
(ख) क्या सरकारी खरीद प्रचालन के लिए वर्तमान भंडारण क्षमता पर्याप्त है? यदि नहीं, तो भंडारण क्षमता बढ़ाने के लिए कोई योजना विचाराधीन है।

(ग) विशेषकर भीतरी क्षेत्रों में सरकारी खरीद प्रचालन के लिए अवसरंचना सुविधाओं में सुधार के लिए कोई कदम उठाया गया है।

6. पिछले 3 मौसमों के दौरान मूल्य समर्थन और वाणिज्यिक प्रचालन में जे.सी.आई. और अन्य अभिकरण वित्तीय या अन्य दूसरी बाधाओं का सामना कर रहें हैं। इस संदर्भ में प्रभावी मूल्य समर्थन प्रचालन के लिए वित्तिय प्रबंधों की पर्याप्तता पर एक विस्तृत टिप्पणी प्रस्तुत करें।

7. पिछले पांच मौसमों के दौरान विभिन्न महत्वपूर्ण बाजारों में बाजार मूल्य पर जे.सी.आई. की खरीद का प्रभाव।

8. पिछले 5 मौसमों के दौरान मिल द्वारा अपरिष्कृत पटसन की पूरे देश के बाजारों से खरीद का प्रभाव तथा चालू मौसम में अब तक मिल की खरीद का विस्तार।

9. निम्नलिखित पर अपने विचार/टिप्पणी दें : (i) अपरिष्कृत पटसन और पटसन वस्तुओं पर केन्द्रीय/राज्य लेवी/कर की विद्यमान दरें। (ii) अपरिष्कृत पटसन और पटसन पर आयात शुल्क

10. वर्तमान वर्ष सहित पिछले पांच वर्षो के लिए 5 सबसे बड़े आयातकों एवं निर्यातकों को दर्शाते हुए अपरिष्कृत पटसन के **कुल वैश्विक व्यापार** (निर्यात तथा आयात) को प्रस्तुत करें।

11. हाल ही में उपलब्ध पांच वर्षों के लिए भारत के साथ–साथ अन्य देशों की अपरिष्कृत पटसन की **व्यापार नीति** को दर्शाएं।

12. हाल ही में उपलब्ध भारत के साथ–साथ अन्य देशों के अपरिष्कृत पटसन की व्यापार नीति प्रस्तुत करें। पिछले तीन वर्षों तथा चालू वर्ष के दौरान अपरिष्कृत पटसन के प्राथमिक के साथ–साथ द्वितीयक बाजारों में मूल्य स्थिति पर एक विश्लेषणत्मक टिप्पणी तथा चालू मौसम के शेष भाग में इसके व्यवहार के बारे में आशाएं तथा पिछले पांच मौसमों एवं चालू वर्ष के दौरान ऐसे दृष्टांत जब

(माह/बाजार) मूल्य समर्थन के स्तर से नीचे गिरे एवं अपरिष्कृत पटसन के मूल्यों को स्थिर रखने लिए निगम द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख करें। आंकड़ें/अन्य वस्तुनिष्ट सूचना समर्थित भारतीय पटसन निगम के क्रय केन्द्र/उपकेन्द्र की पर्याप्तता पर विचार।

13. (i) 2018–19 मौसम के लिए ग्रेड और अवस्थिति द्वारा अंतर सहित अपरिष्कृत पटसन/मेस्ता के न्यूनतम समर्थन मूल्य के स्तर पर आपके विचार ।

(ii) न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा के लिए आधार के रूप में टी.डी –5 (असम की सीमा पर) पर आपके विचार।

15. पटसन के **वायदा व्यापार** के संबंध में आपके विचार।

16. क्या राष्ट्रीय पटसन नीति (2005) पर कोई कार्य योजना तैयार की गई है यदि हां तो उपलब्धि/ कमी तथा की गई उपचारी कार्रवाई तथा इसके कार्यान्वयन पर राज्यवार ब्यौरा प्रस्तुत करें।

17. पटसन उद्योग में विदेशी सीधे निवेश पर आपके विचार क्या हैं।

18. क्रय केन्द्रों/मंडी/विपणन अहातों इत्यादि पर पटसन/मेस्ता के विक्रय के लिए प्रति क्विंटल किसानों द्वारा प्रदत्त राज्य वार और अखिल भारत औसत विपणन व्यय क्या हैं।

19. (1) पटसन और मेस्ता उगाने वाले किसानों द्वारा फसल बीमा योजना पर प्रति क्विंटल तथा प्रति हेक्ट. वहन बीमा प्रीमियम पर राज्य वार और अखिल भारतीय औसत विपणन प्रभार।

(2) फसल बीमा योजना के अंतर्गत कवर पटसन/मेस्ता उगाने वाले किसानों का राज्य वार और अखिल भारतीय प्रतिशत। क्या राष्ट्रीय आपदा तथा कीट हमलों के कारण होने वाले फसल और आय के नुकसान के लिए बीमा कराने में किसान किसी प्रकार की समस्या का सामना कर रहे हैं।

(3) पटसन/मेस्ता उगाने वाले किसानों के लिए राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना और इसके संशोधित रूपांतर को किसान हितेषी बनाने के लिए इसमें सुधार के लिए आपकी टिप्पणी/सुझाव क्या हैं। पटसन/मेस्ता के संबंध में राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना के कार्यान्वयन के संबंध में अपनी टिप्पणी दें।

20. अपने उत्पाद को बिक्री के लिए क्रय केन्द्र/मंडी/विपणन अहातों में लाने के लिए किसानों द्वारा प्रदत्त राज्य वार और अखिल भारत प्रति क्विंटल औसत परिवहन लागत बताएं।

21. पटसन अर्थव्यवस्था के संबंध में कोई अन्य मामला जो जे.सी.आई, आयोग के ध्यान में लाना चाहे।

22. एनआईआरजेएएफटी जैसे विभिन्न अनुसंधान संस्थानों तथा अन्यों द्वारा विकसित **नवीनतम रेटिंग तकनीक** पर ब्योरा प्रस्तुत करें तथा राज्य तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसे संस्थानों को दी जा रही तकनीकी तथा वित्तीय सहायता को भी दर्शाएं इसके अतिरिक्त इसकी पर्याप्तता तथा नवीनतम रेटिंग तकनीक को उन्नत करने के लिए उठाए गए कदमों का उल्लेख करें।

टिप्पणी: यदि आप विस्तृत उत्तर देने में असुविधा महसूस करते हैं तो अनुलग्नक के रूप में सरलता से उपलब्ध सामग्री दे सकते हैं।

****

कृषि लागत और मूल्य आयोग

2016–17 मौसम के लिए पटसन/मेस्ता की मूल्य नीति के लिए प्रश्नावली

1. (क) पिछले पांच वर्षों के दौरान अपरिष्कृत पटसन/मेस्ता और संयुक्त के लिए क्षेत्र उत्पादन और उपज के अखिल भारत हेतु कुल तथा राज्यवार आंकड़े तथा इन मांपदंडों में अंतर वर्ष विभिन्नता पर विश्लेष्णात्मक टिप्पणी प्रस्तुत करें। इस संदर्भ में पटसन सलाहकार बोर्ड तथा सरकार की अपरिष्कृत पटसन उत्पादन के अपसरण के कारणों की व्याख्या करें।

   (ख) हाल ही के वर्षों में पटसन उत्पादन का उपजातीय संघटन दर्शाएं। अपरिष्कृत पटसन का आदर्श उपजातीय संघटन आपकी राय में क्या होना चाहिए तथा इसका कारण भी दें।

   (ग) एचवाईवी/संकर बीजों के अंतर्गत राज्यवार और अखिल भारतीय प्रतिशत क्षेत्र तथा इसकी उपज की गैर एचवाईवी/स्थानीय बीजों के साथ तुलना दर्शाएं

2. (क) अपरिष्कृत पटसन की गुणवत्ता और उत्पादकता बढ़ाने के लिए पटसन उगाने वाले राज्यों में कार्यान्वित किए जा रहें अनुसुधान एवं विस्तार कार्यक्रमों की अद्यतन स्थिति तथा इसके प्रभाव बताएं। इस संदर्भ में विशेष पटसन विकास कार्यक्रम के कार्यचलन पर विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत करें। क्या विभिन्न राज्यों में इसे संबंधित कार्ययोजना के अंतर्गत लाने के बाद एसजेडीपी के कार्यान्वयन में सुधार आया है।

   (ख) आपके राज्य में प्रतिस्पर्धात्मक फसलें जिनकी खेती पटसन से विविधिकृत की गई है, क्या हैं? इस संबंध में आपकी टिप्पणी और सुझाव क्या है।

   (ग) क्या हाल ही में नई रेटिंग तकनीक विकसित की गई? यदि हां तो उसका ब्यौरा प्रस्तुत करें।

(घ) पटसन पर तकनीकी मिशन के संबंध में कार्ययोजना और इसके कार्यान्वयन पर ब्यौरा दें। मिशन के अंतर्गत उपलब्धि की राज्यवार स्थिति क्या है। पिछले 3 वर्षों के दौरान पटसन/मेस्ता के लिए राज्यवार एवं अखिल भारत स्तर पर बीज स्थानापन्न दर। क्या एसआरआर में कोई सुधार आया है, यदि नहीं तो क्यों?

(ड़) क्या राष्ट्रीय पटसन नीति (2005) पर कोई कार्ययोजना तैयार की गई है। यदि हां, तो इसके कार्यान्वयन का राज्यवार विवरण प्रस्तुत करें।

3. पिछले 10 वर्षों के दौरान अपरिष्कृत पटसन के घरेलू थोक मूल्य (पश्चिम बंगाल की सीमा पर) तथा अंतर्राष्ट्रीय मूल्य, प्रमुख बाजारों में पटसन वस्तुओं के मूल्य एवं अखिल स्तर पर मूल्य (वर्षवार, महीने वार) प्रस्तुत करें ताकि चालू वर्ष में अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों में तुलना की जा सके एवं मूल्यों में परिवर्तन के कारण भी दर्शाए।

4. अपरिष्कृत पटसन की सकल मांग पर पटसन पैकेजिंग सामग्री (पेकिंग वस्तुओं में आवश्यक प्रयोग) अधिनियम, 1987 के विलयन के प्रभाव के बारे में मूल्यांकर करें।

5. क्रय केन्द्रों/मंडी/विपणन अहातों इत्यादि पर पटसन/मेस्ता के विक्रय पर किसानों द्वारा प्रदत्त प्रति क्विंटल राज्यवार और अखिल भारत औसत विपणन प्रभार।

6. (1) फसल बीमा योजना पर पटसन/मेस्ता उगाने किसानों द्वारा वहन किया जा रहा प्रति क्विंटल एवं प्रति हेक्टर बीमा प्रीमीयम पर राज्यवार एवं अखिल भारत औसत व्यय

(2) फसल बीमा योजना के अंतर्गत कवर पटसन/मेस्ता उगाने किसानों का राज्यवार तथा अखिल भारत स्तर पर प्रतिशत। क्या प्राकृतिक आपदा/कीट हमलों के कारण हुए फसल एवं आय के नुकसान की भरपाई के लिए अपनी फसलों का बीमा करने में किसान किसी प्रकार की समस्या का सामना कर रहें है।

(3) राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना तथा इसके संशोधित रूपांतर को पटसन/मेस्ता के किसानों के हितेषी बनाने के लिए इसमें सुधार के लिए अपनी टिप्पणी/सुझाव दें। पटसन/मेस्ता के संबंध में राष्टीय बीमा योजना के कार्यान्वयन पर अपनी टिप्पणी प्रस्तुत करें।

7. क्रय केन्द्रों/ मंडी /विपणन अहातों इत्यादि पर पटसन/मेस्ता के विक्रय पर लाने के लिए किसानों प्रदत्त प्रति क्विं. राज्य वार और अखिल भारत औसत परिवहन लागत बताएं।

8. 2015–16 मौसम के लिए अपरिष्कृत पटसन/मेस्ता के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य का स्तर तथा ग्रेड अंतर पर विचार दें।

9. वर्तमान वर्ष सहित पिछले पांच वर्षो के लिए 5 सबसे बड़े आयातकों एवं निर्यातकों को दर्शाते हुए अपरिष्कृत पटसन के **कुल वैश्विक व्यापार** (निर्यात तथा आयात) को प्रस्तुत करें।

10. हाल ही में उपलब्ध पांच वर्षों के लिए भारत के साथ–साथ अन्य देशों के अपरिष्कृत पटसन की **व्यापार नीति** को दर्शाएं।

11. एनआईआरजेएएफटी जैसे विभिन्न अनुसंधान संस्थानों तथा अन्यों द्वारा विकसित नवीनतम रेटिंग तकनीक पर ब्योरा प्रस्तुत करें एवं राज्य तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसे संस्थानों को दी जा रही तकनीकी तथा वित्तीय सहायता को भी दर्शाएं।

कृषि बीमा के लिए

पिछले तीन वर्षों के दौरान विभिन्न बीमा योजनाओं के अंतर्गत पटसन फसल संबंधी राज्य–वार और अखिल भारत आकड़े

फसल	पटसन
फसल बीमा योजना	
वर्ष	

राज्य	बीमा किए गए किसान	बीमा की गई राशि (रू. /हेक्टे.)	प्रीमियम दर (प्रतिशत)	सकल प्रीमियम (रू. /हेक्टे.)	किसानों को दी गई सब्सिडी (रू. /हेक्टे.)	किसानों द्वारा प्रदत्त निवल प्रीमियम (रू. /हेक्टे.)	लाभाविन्त हुए किसान	किसानों द्वारा प्रदत्त निवल प्रीमियम (रू. /क्विं.)	उपज (क्विं. /हेक्टे.)
असम									
बिहार									
ओडिशा									
पश्चिम बंगाल									
अखिल भारत									